पी.जी. डिप्लोमा वैदिक पौरोहित्य (कर्मकाण्ड)

NEP 2020 Based One year Diploma in Karmkand

- समयावधि – एक वर्ष (दो सेमेस्टर)
- पात्रता –स्नातक / समकक्ष
- अंक विभाजन – 70% लिखित परीक्षा
- 30% आन्तरिक सतत मूल्यांकन

वेदविभाग

प्राच्यविद्या संकाय

गुरुकुल कांगडी (समविश्वविद्यालय) हरिद्वार (उत्तराखण्ड)

(यू.जी.सी. एक्ट 1956 के सेक्शन 3 के अन्तर्गत समविश्वविद्यालय)

2026

P.G. Diploma in Vaidika Paurohitya (Karmkand)

Department of Veda

Syllabus (पाठ्यक्रम)

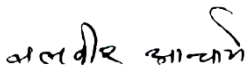
Ist Semester (प्रथम सेमेस्टर)

S.N.	Code	Title	Internal	Theory	Total	Credits	Page n.
1.	DVP26-C101	NITYAKARMA	40	60	100	4	3
2.	DVP26-C102	NAIMITTIKA KARMA	40	60	100	4	4
3.	DVP26-C103	SANSKAR KARMA (A)	40	60	100	4	5
4.	DVP26-C104	SANSKAR KARMA (B)	40	60	100	4	6
5.	DVP26-C151	PRACTICAL - I	40	60	100	4	7

IInd Semester(द्वितीय सेमेस्टर)

S.N.	Code	Title	Internal	Theory	Total	Credits	Page n.
1.	DVP26-C201	DHARMA PARICHAY	40	60	100	4	8
2.	DVP26-C202	YOG EVAM AYURVEDA	40	60	100	4	9
3.	DVP26-C203	YAGYA VIGYAN	40	60	100	4	10
4.	DVP26-C204	VEDANG JYOTISH	40	60	100	4	11
5.	DVP26-C251	PRACTICAL- II	40	60	100	4	12

Syllabus, **P.G. Diploma in Vaidika Paurohitya (Karmakand)** , Department of VEDA, GKV, Haridwar (w.e.f. 2026-27), NEP 2020 Pattern

पाठ्यक्रम समिति (BOS) सदस्यों के हस्ताक्षर				
				
प्रो. दिनेशचन्द्र शास्त्री	प्रो. बलवीर आचार्य	प्रो. वीरेन्द्र अलंकार	डॉ. दीनदयाल	डॉ. रामचन्द्र मेघवाल

॥ प्रश्नपत्र का स्वरूप ॥

1. राष्ट्रीय शिक्षा निति 2020 के अनुसार सभी प्रश्नपत्र 100 अंक के होगें। जिसमे से 30 अंक की परीक्षा विभाग में सत्रीय मूल्यांकन के रूप में सम्पन्न होगी तथा 70 अंक की परीक्षा सेमेस्टर के अन्त में विश्वविद्यालय के परीक्षा विभाग द्वारा सम्पन्न कराई जायेगी।
2. प्रयोगात्मक परीक्षा- विभाग में सम्पन्न होगी। जो 70+30=100 अंक की होगी। जिसमें मन्त्रोंचारण, याज्ञिक विधियों का क्रियात्मक स्वरूप तथा सम्पूर्ण पाठ्यक्रम से ऊहापोहात्मक प्रश्न पूछें जायेगें साथ किसी विषय पर 8-10 पृष्ठ की लिखित फाइल बनानी होगी।

Programme Outcomes (POs)

PO1: विद्यार्थी नित्यकर्म, नैमित्तिक कर्म तथा विविध वैदिक संस्कारों का सैद्धान्तिक एवं व्यावहारिक ज्ञान प्राप्त करेंगे।

PO2: विद्यार्थी वैदिक कर्मकाण्ड, पौरोहित्य तथा यज्ञ-विधियों का शास्त्रोक्त ढंग से सम्पादन करने में दक्ष होंगे।

PO3: विद्यार्थी धर्म, संस्कृति एवं भारतीय जीवन-मूल्यों के प्रति जागरूकता एवं उत्तरदायित्व का विकास करेंगे।

PO4: विद्यार्थी योग एवं आयुर्वेद के सिद्धान्तों को समझकर स्वस्थ एवं संतुलित जीवन-पद्धति अपनाने में सक्षम होंगे।

PO5: विद्यार्थी यज्ञ-विज्ञान के आध्यात्मिक, सामाजिक एवं वैज्ञानिक पक्षों का सम्यक् ज्ञान प्राप्त करेंगे।

PO6: विद्यार्थी वेदाङ्ग ज्योतिष के मूल सिद्धान्तों एवं उनके व्यावहारिक उपयोगों को समझ सकेंगे।

PO7: विद्यार्थी वैदिक परम्परा, संस्कारों तथा पौरोहित्य-कर्म के माध्यम से समाज-सेवा एवं सांस्कृतिक संरक्षण में योगदान देंगे।

PO8: विद्यार्थी नैतिकता, नेतृत्व, संवाद-कौशल एवं व्यावसायिक दक्षता का विकास करते हुए वैदिक पौरोहित्य के क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनेंगे।

Programme Specific Outcomes (PSOs)

PSO1: विद्यार्थी वैदिक कर्मकाण्ड, संस्कारों, यज्ञों एवं पौरोहित्य-संबंधी विधियों का शास्त्रोक्त एवं व्यावहारिक रूप से सम्पादन करने में सक्षम होंगे।

PSO2: विद्यार्थी वेदाङ्ग ज्योतिष, धर्म, योग एवं आयुर्वेद के सिद्धान्तों का प्रयोग कर समाज में वैदिक संस्कृति एवं जीवन-मूल्यों के संवर्धन में योगदान देंगे।

P.G. Diploma in Vaidika Paurohitya (Karmakand)

Title of the Course :- **Nitya Karm**		Course Code : DVP26-C101
Nature of the Course : DSC		Course Credit : 04

Course Outcome: -

CO1	नित्य कर्म से में पवित्रता प्राप्त होगी।
CO2	अग्निहोत्र के ज्ञान से पर्यावरण संरक्षण को बढावा मिलेगा।
CO3	परिवार के प्रति कर्तव्य बोध का ज्ञान विकसित होगा।
CO4	प्रकृति के समस्त प्राणि जगत के प्रति आत्मीय गुण विकसित होंगे।

L: Lectures ***T: Tutorials*** ***P: Practicals***

UNITS	CONTENTS	L	T	P	Total Hours
1	सन्ध्या- वैदिक (मुख्य) तथा पौराणिक (गौण) ।	14	6	-	20
2	देवयज्ञ- वैदिक (मुख्य) तथा पौराणिक (गौण) ।	12	6	-	18
3	पितृयज्ञ तथा अतिथियज्ञ- वैदिक (मुख्य) तथा पौराणिक (गौण) ।	7	3	-	10
4	बलिवैश्वदेवयज्ञ - वैदिक (मुख्य) तथा पौराणिक (गौण) ।	8	4	-	12
	Total (in Hrs)	44	16	-	60

Modes of In-Semester Assessment: Formative Assessment

SUGGESTED READINGS:

- पञ्चमहायज्ञविधि - स्वामी दयानन्द सरस्वती , परोपकारिणी सभा अजमेर, राजस्थान।
- संस्कार विधि - स्वामी दयानन्द सरस्वती, सं. आचार्य राजवीर शास्त्री , आर्ष साहित्य प्रचार ट्रस्ट खारी बावली, दिल्ली।
- धर्मशास्त्र का इतिहास- पी.वी. काणे, उत्तर प्रदेश हिन्दी संस्थान लखनऊ, उ.प्र.।
- नित्यकर्म विधि- सं. आचार्य राजवीर शास्त्री , आर्ष साहित्य प्रचार ट्रस्ट खारी बावली दिल्ली।
- नित्यकर्म विधि- पं. युधिष्ठिर मीमांसक, रामलाल कपूर ट्रस्ट रेवली सोनीपत, हरियाणा।
- वैदिकपाठ – डॉ. दिनेशचन्द्र शास्त्री दूरस्थ शिक्षा संकाय, गुरुकुल कांगडी विश्वविद्यालय हरिद्वार, उत्तराखण्ड।

CO-PO-PSO MAPPING

	PO1	PO2	PO3	PO4	PO5	PO6	PO7	PO8	PSO1	PSO2
CO1	3	2	2	1	1	-	2	1	3	2
CO2	2	3	2	1	3	-	2	1	1	2
CO3	2	1	3	2	1	-	3	2	2	3
CO4	1	1	3	3	2	-	2	2	1	3

P.G. Diploma in Vaidika Paurohitya (Karmakand)

Title of the Course :- **Naimittik Karm**		Course Code : DVP26-C102
Nature of the Course : DSC		Course Credit : 04

Course Outcome: -

CO1	पारिवारिक सदभाव और सोम्यता के आयाम विकसित होंगे।
CO2	पर्वों के वैदिक स्वरूप से वैदिक संस्कृति का ज्ञान विकसित होगा।
CO3	महापुरुषों के जीवन से कर्तव्य परायणता का बोध होगा।
CO4	काम्य कर्मो के अध्ययन से जीवन में कर्मण्यता की भावना का विकास होगा।

L: Lectures ***T: Tutorials*** ***P: Practicals***

UNITS	CONTENTS	L	T	P	Total
1	पारिवारीक कर्म- जन्मदिन, विवाह-वर्षगाँठ, शान्तियज्ञ ।	8	4	-	20
2	सामाजिक पर्व- श्रावणी, दीपवली, होली, मकर संक्रान्ति, नववर्ष ।	12	6	-	18
3	सांस्कृतिक-ऐतिहासिक पर्व- रामनवमी, कृष्णजन्माष्टमी, बैशाखी, ज्ञानपञ्चमी ।	7	3	-	10
4	प्रासंगिक एवं काम्यकर्म- व्यापार आरम्भ, वाग्दान, विद्यारम्भ (स्कूल प्रवेश), वाहन-स्वागत, पुत्रकामेष्टि, शालाकर्म (शिलान्यास) भूमिपूजन आदि ।	14	6	-	12
	Total (in Hrs)	44	16	-	60

Modes of In-Semester Assessment: Formative Assessment

SUGGESTED READINGS:

- पञ्चमहायज्ञविधि - स्वामी दयानन्द सरस्वती , परोपकरिणी सभा अजमेर, राजस्थान।
- पर्वचन्द्रिका- आचार्य प्रेमभिक्षु, सत्यप्रकाशन, मथुरा उ.प्र. ।
- कर्मठगुरु – मुकुन्दवल्लभ , मोतीलाल बनारसीदास दिल्ली।
- धर्मशास्त्र का इतिहास- पी.वी. काणे, उत्तर प्रदेश हिन्दी संस्थान लखनऊ, उ.प्र.।
- क्यों? – माधवाचार्य एवं श्रीकण्ठशास्त्री , माधव विद्याभवन दिल्ली।

CO-PO-PSO MAPPING

	PO1	PO2	PO3	PO4	PO5	PO6	PO7	PO8	PSO1	PSO2
CO1	2	1	3	2	-	-	3	2	1	3
CO2	3	2	3	1	1	-	2	1	3	3
CO3	1	-	3	2	-	-	3	3	1	3
CO4	3	3	2	1	2	-	2	2	3	2

P.G. Diploma in Vaidika Paurohitya (Karmakand)

Title of the Course :- **Sanskar Karm (A)**		Course Code : DVP26-C103
Nature of the Course : DSC		Course Credit : 04

Course Outcome: -

CO1	संस्कार के ज्ञान से मानव जीवन के सभी आयाम विकसित होंगे।
CO2	बालकों के प्रारम्भिक जीवन का निर्माण करने की क्षमता विकसित होगी।
CO3	बालकों के जीवन को उन्नत करने वाले संस्कारों की महता का बोध होगा।
CO4	गृहस्थ धर्म के लिए मानव का पूर्णनिर्माण होगा और जीवन के प्रति सजगता विकसित होगी।

L: Lectures ***T: Tutorials*** ***P: Practicals***

UNITS	CONTENTS	L	T	P	Total Hours
1	प्राग्जन्म संस्कार- गर्भाधान, पुंसवन, सीमन्तोन्नयन ।	14	6	-	20
2	जन्मोत्तर संस्कार-(I) जातकर्म, नामकरण(ग्रह-नक्षत्र ज्ञानसहित), निष्क्रमण ।	12	6	-	18
3	जन्मोत्तर संस्कार-(II) अन्नप्राशन, मुण्डन(चौलकर्म),कर्णवेध ।	7	3	-	10
4	विद्यासंबन्धी संस्कार- उपनयन, वेदारम्भ, समावर्तन ।	8	4	-	12
	Total (in Hrs)	44	16	-	60

Modes of In-Semester Assessment: Formative Assessment

SUGGESTED READINGS:

- संस्कार विधि - स्वामी दयानन्द सरस्वती, सं. आचार्य राजवीर शास्त्री , आर्ष साहित्य प्रचार ट्रस्ट खारी बावली, दिल्ली।
- संस्कार चन्द्रिका- डॉ. सत्यव्रत सिद्धान्तालंकार, गोविन्द राम हासानन्द दिल्ली।
- धर्मशास्त्र का इतिहास- पी.वी. काणे, उत्तर प्रदेश हिन्दी संस्थान लखनऊ उ.प्र.।

CO-PO-PSO MAPPING

	PO1	PO2	PO3	PO4	PO5	PO6	PO7	PO8	PSO1	PSO2
CO1	3	2	3	2	1	-	2	1	3	3
CO2	2	1	3	2	-	-	2	3	1	3
CO3	2	2	3	1	-	-	2	1	3	3
CO4	3	2	3	3	1	-	3	2	3	3

P.G. Diploma in Vaidika Paurohitya (Karmakand)

Title of the Course :- **Sanskar Karm (B)**		Course Code : DVP26-C104
Nature of the Course : DSC		**Course Credit : 04**

Course Outcome: -

CO1	पारिवारिक जीवन का सम्यक् ज्ञान विकसित होगा।
CO2	दाम्पत्य जीवन में एक-दूसरे के साथ समझ बढेगी।
CO3	विश्व स्तर पर परिवार की आवश्यकता और उद्देश्य का बोध होगा।
CO4	जीवन में अध्यात्म की अनिवार्यता का ज्ञान बढेगा।

L: Lectures ***T: Tutorials*** ***P: Practicals***

UNITS	CONTENTS	L	T	P	Total Hours
1	संस्कारविधि- गृहस्थाश्रम प्रकरण सम्पूर्ण ।	14	6	-	20
2	विवाह संस्कार-(I) कर्मकाण्डपरक अध्ययन सभी विधियाँ ।	12	6	-	18
3	विवाह संस्कार-(II) वैश्विक परम्पराओं का अध्ययन ।	7	3	-	10
4	आश्रमिक संस्कार- वानप्रस्थ, संन्यास, अन्त्येष्टि ।	8	4	-	12
	Total (in Hrs)	44	16	-	60

Modes of In-Semester Assessment: Formative Assessment

SUGGESTED READINGS:

- संस्कार विधि - स्वामी दयानन्द सरस्वती, सं. आचार्य राजवीर शास्त्री , आर्ष साहित्य प्रचार ट्रस्ट खारी बावली, दिल्ली।
- संस्कार चन्द्रिका- डॉ. सत्यव्रत सिद्धान्तालंकार, गोविन्द राम हासानन्द दिल्ली।
- धर्मशास्त्र का इतिहास- पी.वी. काणे, उत्तर प्रदेश हिन्दी संस्थान लखनऊ उ.प्र.।

CO-PO-PSO MAPPING

	PO1	PO2	PO3	PO4	PO5	PO6	PO7	PO8	PSO1	PSO2
CO1	2	1	3	2	-	-	3	2	1	3
CO2	1	-	3	2	-	-	3	2	-	3
CO3	1	-	3	2	-	-	3	3	-	3
CO4	2	1	3	3	2	-	2	2	1	3

P.G. Diploma in Vaidika Paurohitya (Karmakand)

Title of the Course :- **Practical-I**		Course Code : DVP26-C151
Nature of the Course : Practical		**Course Credit : 04**

Course Outcome: -

CO1	पौरोहित्य कर्म की कुशलता बढेगी।
CO2	मन्त्रोच्चारण पाठ का सम्यक् ज्ञान होगा।
CO3	संस्कारों का प्रायोगिक ज्ञान विकसित होगा।
CO4	संस्कारों की उपयोगिता का बोध होगा।

L: Lectures ***T: Tutorials*** ***P: Practicals***

UNITS	CONTENTS	L	T	P	Total Hours
1-4	संस्कारविधि प्रकरण सम्पूर्ण- मन्त्र भाग कण्ठस्तीकरण, विधि भाग का तात्पर्यार्थ। शुद्ध-उच्चारण । संस्कारों की मानव जीवन में उयोगीता।	20	20	40	80
	Total (in Hrs)	20	20	40	80

Modes of In-Semester Assessment: Formative Assessment

SUGGESTED READINGS:

- संस्कार विधि - स्वामी दयानन्द सरस्वती, सं. आचार्य राजवीर शास्त्री , आर्ष साहित्य प्रचार ट्रस्ट खारी बावली, दिल्ली।
- संस्कार चन्द्रिका- डॉ. सत्यव्रत सिद्धान्तालंकार, गोविन्द राम हासानन्द दिल्ली।
- धर्मशास्त्र का इतिहास- पी.वी. काणे, उत्तर प्रदेश हिन्दी संस्थान लखनऊ उ.प्र.।

CO-PO-PSO MAPPING

	PO1	PO2	PO3	PO4	PO5	PO6	PO7	PO8	PSO1	PSO2
CO1	3	3	2	-	1	-	2	3	3	1
CO2	3	3	1	-	2	-	1	2	3	1
CO3	3	3	2	1	1	-	2	2	3	2
CO4	3	2	3	1	1	-	3	1	3	3

P.G. Diploma in Vaidika Paurohitya (Karmakand)

Title of the Course :- **Dharma Parichay**		Course Code : DVP26-C201
Nature of the Course : DSC		**Course Credit : 04**

Course Outcome: -

CO1	प्राचीन इतिहास के अध्ययन से वैदिक परम्पराओं का ज्ञान होगा।
CO2	संसार में प्रचलित मत-मतान्तरों में धर्म की अवधारणा का ज्ञान होगा।
CO3	वेदोक्त धर्म के ज्ञान से मानवीय गुण विकसित होंगे।
CO4	धर्मशास्त्र के अध्ययन से पारीवारिक और सामाजिक कर्तव्यों का बोध होगा।

L: Lectures ***T: Tutorials*** ***P: Practicals***

UNITS	CONTENTS	L	T	P	Total Hours
1	रामायण और महाभारत का परिचय ।	8	4	-	12
2	विभिन्न धर्मों का परिचय (धर्म का आदि स्त्रोत पुस्तक के आधार पर) ।	12	6	-	18
3	ऋग्वेदादिभाष्यभूमिका – वेदोत्पत्ति, वेदोक्त धर्म, वेदनित्यत्वविचार, वर्णाश्रमव्यवस्था ।	7	3	-	10
4	मनुस्मृति (द्वितीय अध्याय) एवं गीता (द्वितीय अध्याय) ।	14	6	-	20
	Total (in Hrs)	44	16	-	60

Modes of In-Semester Assessment: Formative Assessment

SUGGESTED READINGS:

- धर्म का आदि स्त्रोत (Fountain Head of Religion) – गंगा प्रसाद चीफ जस्टिस
- ऋग्वेदादिभाष्यभूमिका - स्वामी दयानन्द सरस्वती, सं. आचार्य राजवीर शास्त्री , आर्ष साहित्य प्रचार ट्रस्ट खारी बावली दिल्ली।
- विशुद्ध मनुस्मृति – डॉ. सुरेन्द्र कुमार , आर्ष साहित्य प्रचार ट्रस्ट खारी बावली दिल्ली।
- श्रीमद् भगवद्गीता – सामर्पणभाष्य, गुरुकुल प्रभात आश्रम, भोलाझाल, मेरठ।
- आर्योद्देश्यरत्नमाला- स्वामी दयानन्द सरस्वती, सं. आचार्य राजवीर शास्त्री , आर्ष साहित्य प्रचार ट्रस्ट खारी बावली दिल्ली।

CO-PO-PSO MAPPING

	PO1	PO2	PO3	PO4	PO5	PO6	PO7	PO8	PSO1	PSO2
CO1	3	1	3	-	1	-	2	1	2	3
CO2	1	-	3	1	-	-	2	2	-	3
CO3	2	1	3	3	1	-	3	2	1	3
CO4	2	1	3	2	-	-	3	2	1	3

P.G. Diploma in Vaidika Paurohitya (Karmakand)

Title of the Course :- **Yog Evam Ayurved**		Course Code : DVP26-C202
Nature of the Course : DSC		**Course Credit : 04**

Course Outcome: -

CO1	जीवन में योग से सहजता और निरोगता की प्राप्ति होगी।
CO2	स्वस्थ्य के प्रति मानव में जागरुकता विकसित होगी।
CO3	शरीर विज्ञान की सम्यक् समझ विकसित होगी।
CO4	रोगों का ज्ञान और उनके निवारण-उपायों का ज्ञान विकसित होगा।

L: Lectures ***T: Tutorials*** ***P: Practicals***

UNITS	CONTENTS	L	T	P	Total Hours
1	**पातञ्जल अष्टांगयोग परिचय ।**	14	6	-	20
2	**दिनचर्या- प्रातः एवं रात्रि कालीन मन्त्र, दैनन्दिन जीवन ।**	12	6	-	18
3	**शरीर-विज्ञान, शरीर-संरचना तथा अंगों के कार्य ।**	7	3	-	10
4	**नाडी ज्ञान(वात-पित-कफ)- दोषज्ञान एवं दोषनिवारण ।**	8	4	-	12
	Total (in Hrs)	44	16	-	60

Modes of In-Semester Assessment: Formative Assessment

SUGGESTED READINGS:

- योगदर्शन (व्यासभाष्य)- आचार्य राजवीर शास्त्री , आर्ष साहित्य प्रचार ट्रस्ट खारी बावली दिल्ली।
- ब्रह्मचर्य सन्देश - डॉ. सत्यव्रत सिद्धान्तालंकार, गोविन्दराम हासानन्द दिल्ली।
- ब्रह्मचर्य के साधन- स्वामी ओमानन्द सरस्वती- गुरुकुल झज्जर हरियाणा
- स्वस्थवृत विज्ञान – प्रो. रामहर्ष सिंह
- शरीर रचना विज्ञान – डॉ. मुकुन्द स्वरूप वर्मा
- नाड़ी तत्त्व दर्शन- श्री सत्यदेव वासिष्ठ

CO-PO-PSO MAPPING

	PO1	PO2	PO3	PO4	PO5	PO6	PO7	PO8	PSO1	PSO2
CO1	1	-	2	3	1	-	1	2	-	3
CO2	1	-	3	3	1	-	2	2	-	3
CO3	-	-	1	3	2	-	-	1	-	3
CO4	-	-	2	3	2	-	1	1	-	3

P.G. Diploma in Vaidika Paurohitya (Karmakand)

Title of the Course :- **Yagya Vigyan**		Course Code : DVP26-C203
Nature of the Course : DSC		**Course Credit : 04**

Course Outcome: -

CO1	वेदी निर्माण से सृष्टि प्रक्रियाओं का बोध होगा।
CO2	वातावरण को शुद्ध करने वाली औषधियों का ज्ञान होगा।
CO3	यज्ञ द्वारा निरोगता के उपायों का पता चलेगा।
CO4	दैवीय गुणों के प्रति समझ विकसित होगी।

L: Lectures ***T: Tutorials*** ***P: Practicals***

UNITS	CONTENTS	L	T	P	Total Hours
1	**वेदी निर्माण - कुण्ड निर्माण पद्धति** **यज्ञीय पात्र - पात्रों का सामान्य परिचय**	14	6	-	20
2	**हवि निर्वाप विधि । यज्ञीय पदार्थ- गोघृत, ऋतु अनुकूल सामग्री (सुगन्धित, मिष्ट, पुष्टिकारक, औषधीय)**	12	6	-	18
3	**रोग-चिकित्सा –मानसिक और शारीरिक(आधि-व्याधि), चिकित्सा का सामान्य परिचय, रोगोपयोगी यज्ञ-सामग्री का परिचय**	7	3	-	10
4	**पुत्रेष्टि, अतिवृष्टि और अनावृष्टि यज्ञ**	8	4	-	12
	Total (in Hrs)	44	16	-	60

Modes of In-Semester Assessment: Formative Assessment

SUGGESTED READINGS:

- **आर्यपर्व** पद्धति – **भवानीप्रसाद, हिन्डोन सिटी राजस्थान।**
- **यज्ञविमर्श – प्रो. रामप्रकाश , अनीता आर्ष प्रकाशन, पानीपत, हरियाणा।**
- **देवयज्ञ- फुन्दनलाल अग्निहोत्री, परोपकारी सभा, अजमेर, राजस्थान।**
- **यज्ञ-चिकित्सा - फुन्दनलाल अग्निहोत्री**
- **यज्ञ-विज्ञान – श्रीराम शर्मा (कासगंज , एटा), अमर स्वामी प्रकाशन विभाग गाजियाबाद**
- **यज्ञ-चिकित्सा – ब्रह्मवर्चस् शान्तिकुञ्ज हरिद्वार।**
- संस्कार विधि - स्वामी दयानन्द सरस्वती, आर्ष साहित्य प्रचार ट्रस्ट खारी बावली दिल्ली।

CO-PO-PSO MAPPING

	PO1	PO2	PO3	PO4	PO5	PO6	PO7	PO8	PSO1	PSO2
CO1	3	3	2	-	3	1	2	1	3	2
CO2	2	3	2	2	3	-	2	1	3	2
CO3	2	2	2	3	3	-	1	1	2	3
CO4	1	1	3	2	2	-	3	2	1	3

P.G. Diploma in Vaidika Paurohitya (Karmakand)

Title of the Course :- **Vedang Jyotish**		Course Code : DVP26-C204
Nature of the Course : DSC		**Course Credit : 04**

Course Outcome: -

CO1	**वैदिक गणित का ज्ञान विकसित होगा।**
CO2	**मन्दिरों के द्वारा शिल्प कला और उपासना के मार्गों का बोध होगा।**
CO3	**ज्योतिष के विषय में योग्यता विकसित होगी।**
CO4	फलित ज्योतिष के मिथ्यात्व से पाखण्ड से सुरक्षा होगी।

L: Lectures ***T: Tutorials*** ***P: Practicals***

UNITS	CONTENTS	L	T	P	Total Hours
1	**पञ्चांग-** तिथि ,वार, नक्षत्र, योग और करण । **संकल्प-**युग,कल्प,मन्वन्तर,संवत्सर,अयन, ऋतु,मास, पक्ष, दिवस, होरा, घटिका, पल. ।	14	6	-	20
2	**ऐतिहासिक सन्दर्भ-** भारत के प्रमुख मन्दिर और तीर्थ स्थान एवं **18** पुराणों का सामन्य परिचय ।	12	6	-	18
3	**मुहुर्त-** राशि,ग्रह,नक्षत्र,तिथि, तिथियों की संज्ञाए, लग्न । **अथर्ववेद सूक्त- 19.7-8, 19.47-50, 19.53-54**	7	3	-	10
4	शतपथ ब्राह्मण- **2.1.2-3** के अनुसार- **नक्षत्र –** नक्षत्र आधान फल मीमांसा । फलित ज्योतिष का मिथ्यात्व ।	8	4	-	12
	Total (in Hrs)	44	16	-	60

Modes of In-Semester Assessment: Formative Assessment

SUGGESTED READINGS:

CO-PO-PSO MAPPING

	PO1	PO2	PO3	PO4	PO5	PO6	PO7	PO8	PSO1	PSO2
CO1	-	-	1	-	-	3	-	2	-	1
CO2	1	-	3	1	-	1	3	1	-	3
CO3	-	-	1	-	-	3	-	2	1	3
CO4	-	-	3	-	-	3	2	2	-	3

P.G. Diploma in Vaidika Paurohitya (Karmakand)

Title of the Course :- **Practical-II**		Course Code : DVP26-C251
Nature of the Course : Practical		**Course Credit : 04**

Course Outcome: -

CO1	वैदिक गणित का ज्ञान बढेगा।
CO2	यज्ञ की वैज्ञानिक विचारधारा से छात्र परिचत होंगे।
CO3	जीवन में सोम्यता का वातावरण बनेगा।
CO4	आयुर्वेद से रोग निदान में दक्षता बढेगी।

L: Lectures ***T: Tutorials*** ***P: Practicals***

UNITS	CONTENTS	L	T	P	Total Hours
1-4	ज्योतिष का सामान्य परिचय । यज्ञ का वैज्ञानिक स्वरूप । योग एवं आयुर्वेद की मानव जीवन में उयोगीता ।	20	20	40	80
	Total (in Hrs)	20	20	40	80

Modes of In-Semester Assessment: Formative Assessment

SUGGESTED READINGS:

- संस्कार विधि - स्वामी दयानन्द सरस्वती, सं. आचार्य राजवीर शास्त्री , आर्ष साहित्य प्रचार ट्रस्ट खारी बावली, दिल्ली।
- संस्कार चन्द्रिका- डॉ. सत्यव्रत सिद्धान्तालंकार, गोविन्द राम हासानन्द दिल्ली।
- धर्मशास्त्र का इतिहास- पी.वी. काणे, उत्तर प्रदेश हिन्दी संस्थान लखनऊ उ.प्र.।

CO-PO-PSO MAPPING

	PO1	PO2	PO3	PO4	PO5	PO6	PO7	PO8	PSO1	PSO2
CO1	-	-	1	-	-	3	-	2	-	1
CO2	2	3	2	1	3	-	2	1	3	2
CO3	1	-	3	2	-	-	3	2	-	3
CO4	-	-	2	3	2	-	1	2	-	3